श्री दुआरते पशेको, अध्यक्ष, IPU के अभिनंदन हेतु IPG द्वारा संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में संबोधन

.....

- IPU के अध्यक्ष के रूप में आपकी पहली भारत यात्रा पर आपके सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है।

- भारत की जनता और संसद की ओर से मैं आपका और आपके शिष्टमंडल के सभी सदस्यों का स्वागत करता हूँ। नवम्बर 2019 में IPU के अध्यक्ष पद के लिए हुए अभूतपूर्व वर्चुअल चुनाव में 30वें President के रूप में चुने जाने पर आपको मेरी और भारतीय संसद की ओर से हार्दिक बधाई।

- महामहिम, आपका सार्वजनिक जीवन जनकल्याण के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और लोकतंत्र के आदर्शों तथा rule of law में आपकी आस्था और विश्वास को दर्शाता है।

- आपके दीर्घ संसदीय और प्रशासनिक अनुभव से आपको अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष वर्तमान चुनौतियों का सामना करने और उनका आम सहमति से समाधान निकालने में मदद मिलेगी।

- वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब लोकतंत्र का पूरी दुनिया में विस्तार हो रहा है, मेरी अपेक्षा है कि पूरी दुनिया में parliamentary diplomacy बढ़े। लोकतान्त्रिक देशों की संसदों के बीच नियमित संवाद हो, आपसी विचार साझा हों, ताकि हम एक दूसरे के best practices का लाभ उठा सकें। हमारी संसदीय पद्धतियां, नियम-प्रक्रियाएं और अधिक लोकतांत्रिक हों।

- लोकतंत्र की कसौटी यही है कि सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था के रूप में संसद एवं अन्य सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के व्यापक हित में कार्य करें।

- IPU के साथ आपके लंबे Association और इसकी विभिन्न समितियों/समूहों के साथ आपके कार्य एवं अनुभव को देखते हुए हम आशा करते है कि आप भविष्य में राष्ट्रों के बीच परस्पर सहयोग और वैश्विक राजनीतिक संवाद में IPU के महत्व को और बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएँगे। महामहिम, आपकी Global ज़िम्मेदारियों के सफलतापूर्वक निर्वहन के लिए मैं आपको शुभकामनाएं देता हूँ।

- हमारे देश का IPU से लंबा Association रहा है। विगत में हमारी संसद के दो पूर्व Presiding Officers, श्री G S ढिल्लों और श्रीमती नज़मा हेपतुल्ला IPU का अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं।

- भारत ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक शांति के अपने दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारतीय शांति सैनिकों ने अब तक 50 से भी अधिक शांति मिशनों में भागीदारी की है।

- भारत ने हमेशा आपदाओं के पश्चात पुनर्निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई है।

- सरकार के कार्यकरण में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत में ICT के इस्तेमाल और डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा दिया गया है।
- संसद और विधान मंडलों के कार्यों को भी पेपरलेस बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए हैं।
- हमारे देश में Sustainable Development Goals को प्राप्त करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किये जा रहे हैं। देश में सभी क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए नीति आयोग ने देश भर में आकांक्षी जिलों को चयनित किया है ताकि उन क्षेत्रों के नागरिकों का जीवन-स्तर अग्रणी जिलों के समकक्ष लाया जा सके।
- भारत दुनिया का सबसे बड़ा कार्यशील लोकतंत्र है। हमारी संसद देश की 130 करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करती है।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 74 वर्षों के दौरान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था लगातार सशक्त हुई है।
- लोकतंत्र में बढ़ती हुई जनभागीदारी तथा Grassroot Democracy हमारे लोकतंत्र की सफलता को दर्शाती है।
- हमने लोक सभा के 17 आम चुनावों को सफलतापूर्वक आयोजित करने के अलावा विभिन्न राज्य विधानसभाओं के 400 से भी अधिक चुनावों को सफलतापूर्वक संपन्न कराया है।
- चुनाव परिणामों के बाद सत्ता का हस्तांतरण, चाहे वह लोकसभा में हो या विधान सभाओं में, हमेशा सुचारू रूप से और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुसार हुआ है।
- भारतीय संसद प्रशिक्षण तथा अन्य Capacity Building कार्यक्रमों के माध्यम से अन्य देशों की लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ विश्व में लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।
- भारत संसदीय Diplomacy और संवाद के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के समाधान का सदा पक्षधर रहा है।
- IPU के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में मेरा मानना है कि लोकतांत्रिक देशों की संसदों की संप्रभुता की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।
- मेरे विचार में किसी भी देश की संसद को अन्य लोकतान्त्रिक देश की संसद द्वारा लिए गए सम्प्रभु निर्णयों या संसद से संबंधित विषयों पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। सभी लोकतान्त्रिक देशों की संसदों को एक दूसरे की मर्यादा का परस्पर सम्मान करना चाहिए।
- कोविड -19 की वैश्विक समस्या ने पूरे विश्व में सरकारों और संसदों के लिए नई चुनौतियां प्रस्तुत की हैं।
- भारत में इस सम्बन्ध में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्णायक फैसले लिए गए और proactive कदम उठाए गए, जिससे स्थिति को नियंत्रण में रखने में सहायता मिली।
- इस दौरान भी हमने अपने International Obligations पूरे किये और 150 से अधिक देशों में दवाओं और अन्य सामग्रियों की आपूर्ति की।

- टीका उत्पादन और वितरण के मामले में भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ इस संकट से लड़ने में संपूर्ण मानवता की मदद कर रहा है। हम Covid से लड़ने में अपनी क्षमता और कौशल का उपयोग वैश्विक कल्याण के लिए कर रहे हैं।

- मैं महामहिम को एक बार फिर से IPU का कार्यभार संभालने के लिए बधाई देता हूं और आशा करता हूँ कि आपकी यात्रा से Inter-Parliamentary Diplomacy की प्रक्रिया सशक्त होगी तथा भारत और IPU के साझा प्रयासों से विश्व में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं को नयी शक्ति मिलेगी।

- महामहिम, मैं पुनः आपका और आपके Delegation का स्वागत करता हूँ। मुझे विश्वास है कि आपकी भारत यात्रा सुखद रहेगी और आपका हमारे देश में Stay Comfortable होगा। धन्यवाद।